अमेरिका और यूरोप में भी सुरीली तान छेड़ रही पीलीभीत की बांसुरी

ओडीओपी में शामिल होने के बाद तेजी से बढ़ रहा उद्योग

08 करोड़ रुपये सालाना का हो गया कारोबार

20% बढ़ा कारोबार पिछले दो साल में

25 लाख बांसुरी दूसरे राज्यों में हो रही निर्यात

Anand.Tripathi
@timesgroup.com

लखनऊ : पीलीभीत की बांसुरी अब देश के साथ-साथ अमेरिका और यूरोप में भी सुरीली तान छेड़ रही है। ओडीओपी योजना में पीलीभीत के बांसुरी उद्योग को शामिल करने के बाद देश के साथ विदेश में भी बांसुरी की मांग बढ़ने लगी है। अमेरिका और यूरोपीय देशों में बांसुरी का निर्यात शुरू कर दिया गया है। यही वजह है कि दो साल के भीतर बांसुरी उद्योग में करीब 20% का उछाल आया है।

परंपरागत के साथ आधुनिक बांसुरी भी बन रहीं

ओडीओपी में शामिल किए जाने के बाद पीलीभीत की बांसुरी की डिमांड 20 से 25 लाख सालाना तक पहुंच गई है और बांसुरी उद्योग का सालाना औसत व्यापार 8 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इससे बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मुहैया हो रहे हैं। देश में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश समेत दक्षिण और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में इसका निर्यात हो रहा है। वहीं, डिमांड बढ़ाने के लिए अब पीलीभीत में परंपरागत के साथ तीन तरह की आधुनिक बांसुरी का भी निर्माण किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल प्रोफेशनल्स करते हैं।

2,500 से अधिक लोगों को सीधे मिल रहा रोजगार

विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, जिले के 2,500 से 3,000 लोग बांसुरी बनाने के काम से सीधे जुड़े हुए हैं। वहीं, अप्रत्यक्ष तौर पर बांसुरी के कारोबार में 10,000 से ज्यादा लोग शामिल हैं। पीलीभीत में ज्यादा से ज्यादा लोग इस उद्योग से जुड़ सकें। इसके लिए ओडीओपी योजना के तहत राज्य सरकार बांसुरी बनाने का मुफ्त प्रशिक्षण देकर लोगों को रोजगार से जोड़ रही है। प्रशिक्षण के दौरान मानदेय दिए जाने के साथ ही सरकार बांसुरी बनाने के लिए जरूरी उपकरण भी लोगों को मुहैया करवा रही है, ताकि इस उद्योग को मजबूती दी जा सके।

काला नमक धान को बनाएंगे अंतरराष्ट्रीय ब्रैंड

सीआईआई की एग्रो ऐंड फूड टेक समिट-2020 में बोले योगी

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि खुशबू और स्वाद में बेमिसाल, पौष्टिकता से भरपूर कालानमक धान को बासमती की तरह अंतरराष्ट्रीय ब्रैंड के रूप में प्रतिष्ठा दिलवाई जाएगी। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, वाराणसी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि और कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की गई है।

योगी ने शुक्रवार को सीआईआई की एग्रो ऐंड फूड टेक समिट-2020 को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि काला नमक धान सिद्धार्थनगर के लिए ओडीओपी योजना में शामिल है, लेकिन इसे जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) पूर्वांचल के 11 जिलों के लिए मिला है। ऐसे में कालानमक की संभावना बढ़ जाती है। ब्रैंड बनने से इसके निर्यात के साथ किसानों की आय भी बढ़ेगी।

आधुनिक हो रहीं मंडियां

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार के लिए शुरू से किसानों का हित सर्वोपरि रहा है। कृषि ऋण माफी से लेकर पीएम फसल योजना, पीएम किसान सम्मान, प्रधानमंत्री सिंचाई जैसी योजनाएं इसका सबूत है। किसान हितों के मद्देनजर किसान मंडियों को आधुनिक बनाया जा रहा है। इनमें 24 में कोल्ड स्टोरेज और राइपेनिंग चैंबर भी होंगे। अमरोहा व वाराणसी में 'मैंगो पैक हाउस' बन रहा है। 'आत्मनिर्भर भारत' योजना के तहत मिले एक लाख करोड़ रुपये के पीएम पैकेज के जरिए पंचायत स्तर पर गोदामों का निर्माण होगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने 2021 तक 50,000 किसानों के साथ मिलकर कार्य करने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि हम कुछ ग्रामीण मॉडल हाट भी तैयार करेंगे।